खेल विभाग
बिहार सरकार

BADMINTON

बैडमिंटन

अनुक्रमणिका

क्र0	विषय	पृष्ठ सं0
1.	बैडमिंटन का इतिहास	3
2.	नियम	4—6
3.	मार्किंग	7—8
4.	स्कोर शीट	9
5.	उपस्कर	10—12
6.	बैडमिंटन में उपयोग होने वाले शब्द	13—15
7.	संघ	16—17
8.	प्रतियोगिताएँ	18—20
9.	भारत और बिहार के खिलाड़ियों का प्रदर्शन	21—24
10.	**FAQ**	25—26

बैडमिंटन का इतिहास

बैडमिंटन एक रैकेट खेल है जिसमें दो खिलाड़ी (एकल) या दो टीमें (युगल) एक नेट (जाल) से विभाजित आयताकार कोर्ट पर एक–दूसरे के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करते हैं। खिलाड़ी शटलकॉक (पंख वाला एक शंकु के आकार का प्रक्षेपक) को अपने रैकेट से मारकर नेट के ऊपर से विरोधी के कोर्ट में गिराने का प्रयास करते हैं, ताकि विरोधी उसे वापस न कर पाए।

बैडमिंटन की परिभाषा और मुख्य पहलू

- उद्देश्यः खेल का मुख्य उद्देश्य शटलकॉक को इस तरह से हिट करना है कि वह नेट के ऊपर से विरोधी के कोर्ट में गिरे, और विरोधी खिलाड़ी उसे कानूनी रूप से वापस न कर पाए।
- शटलकॉक (Shuttlecock): यह बैडमिंटन की अनोखी 'गेंद' है, जो पंखों से बनी होती है और इसका निचला हिस्सा रबर या कॉर्क का होता है। इसकी एरोडायनामिक विशेषताएँ इसे एक विशिष्ट उड़ान पथ देती हैं।
- रैकेट (Racket): खिलाड़ी शटलकॉक को हिट करने के लिए हल्के रैकेट का उपयोग करते हैं, जो आमतौर पर कार्बन फाइबर कंपोजिट सामग्री से बने होते हैं।
- नेट (Net): कोर्ट के बीच में एक नेट लगा होता है जो दोनों खिलाड़ियों या टीमों के क्षेत्रों को विभाजित करता है। शटलकॉक को हमेशा नेट के ऊपर से ही मारना होता है।
- कोर्ट (Court): खेल एक आयताकार कोर्ट पर खेला जाता है, जिसमें एकल और युगल मैचों के लिए अलग–अलग सीमा रेखाएँ होती हैं।
- सर्विस (Service): खेल की शुरुआत सर्विस से होती है, जिसमें एक खिलाड़ी शटलकॉक को नेट के ऊपर से विरोधी के सर्विस कोर्ट में भेजता है।
- रैली (Rally): जब तक शटलकॉक जमीन पर नहीं गिरता, या कोई खिलाड़ी फाउल नहीं करता, तब तक खिलाड़ी शटलकॉक को एक–दूसरे के कोर्ट में मारते रहते हैं।
- अंक प्रणाली (Scoring System): आधुनिक बैडमिंटन में रैली पॉइंट स्कोरिंग का उपयोग होता है, जिसमें हर रैली जीतने वाली टीम या खिलाड़ी को अंक मिलता है, चाहे सर्विस उनके पास हो या नहीं।

बैडमिंटन एक गति, चपलता, रणनीति और सटीकता का खेल है। इसे इनडोर (घर के अंदर) खेला जाता है ताकि हवा शटलकॉक की उड़ान को प्रभावित न करे। यह दुनिया के सबसे तेज रैकेट खेलों में से एक है।

बैडमिंटन के बुनियादी नियम

1. खेल का उद्देश्यः

- शटलकॉक (चिड़िया) को नेट के ऊपर से विरोधी के कोर्ट में इस तरह से हिट करना कि विरोधी उसे कानूनी रूप से वापस न कर पाए।
- यदि शटलकॉक विरोधी के कोर्ट में गिरता है और विरोधी उसे वापस नहीं कर पाता है, या विरोधी फाउल करता है, तो आपको एक अंक मिलता है।

2. मैच का प्रारूप (Scoring System):

- गेम (Game)रू एक मैच में अधिकतम तीन गेम होते हैं। जो खिलाड़ी या जोड़ी पहले दो गेम जीत जाती है, वह मैच जीत जाती है।
- अंक (Points): प्रत्येक गेम में, जो खिलाड़ी/जोड़ी पहले 21 अंक प्राप्त करता है, वह गेम जीत जाता है।
- रैली पॉइंट स्कोरिंगः हर रैली (शटलकॉक को हिट करने का सिलसिला) जीतने वाला पक्ष एक अंक अर्जित करता है, चाहे सर्विस उनके पास हो या नहीं।
- 20–20 की स्थिति (Deuce): यदि स्कोर 20–20 हो जाता है, तो गेम जीतने के लिए किसी एक पक्ष को दो स्पष्ट अंकों से आगे निकलना होगा (जैसे 22–20, 23–21)।
- 30–30 की स्थिति (Golden Point)रू यदि स्कोर 29–29 तक पहुँच जाता है, तो जो खिलाड़ी/जोड़ी पहले 30वां अंक प्राप्त करेगा, वह गेम जीत जाएगा। (इसे 'गोल्डन पॉइंट' भी कहते हैं)।

3. सर्विस (Service):

- टॉसः मैच की शुरुआत टॉस से होती है। टॉस जीतने वाला खिलाड़ी/जोड़ी चुन सकता है कि वह पहले सर्विस करेगा/करेगी, या कोर्ट का कौन सा सिरा लेगा/लेगी।
- सर्विस करने का तरीकाः
    - सर्वर और रिसीवर को अपने–अपने सर्विस कोर्ट (तिरछे विपरीत) में खड़ा होना चाहिए और सर्विस करते समय किसी भी लाइन को नहीं छूना चाहिए।
    - सर्विस करते समय, सर्वर के रैकेट का सिर (head) शटलकॉक को कमर की ऊँचाई से नीचे हिट करना चाहिए।
    - शटलकॉक को रैकेट से मारने पर वह एक ही झटके में हिट होना चाहिए, उसे 'पकड़ा और फेंका'(caught and slung) नहीं जा सकता।
        - सर्व की हुई शटलकॉक नेट के ऊपर से विरोधी के सर्विस कोर्ट में गिरनी चाहिए।

- सर्विस कोर्टः
    - इवन स्कोर (सम अंक) पर सर्विसरू जब सर्वर का स्कोर 0 (शून्य) या कोई सम संख्या (जैसे 2, 4, 6...) हो, तो उसे अपने दाहिने (त्पहीज) सर्विस कोर्ट से सर्विस करनी होगी।
    - ऑड स्कोर (विषम अंक) पर सर्विसरू जब सर्वर का स्कोर कोई विषम संख्या (जैसे 1, 3, 5...) हो, तो उसे अपने बाएँ (स्मजि) सर्विस कोर्ट से सर्विस करनी होगी।
- सर्विस कौन करता हैः जिस खिलाड़ी/जोड़ी ने रैली जीती है, उसे अगली सर्विस मिलती है।
- युगल (Doubles) में सर्विसः
    - जो जोड़ी पहले सर्विस करती है, उसका खिलाड़ी दाएं कोर्ट से सर्विस करता है।
    - रिसीवर उस सर्विस को लेने के लिए तिरछे विपरीत बाएं कोर्ट में खड़ा होता है।
    - यदि सर्विस करने वाली टीम अंक जीतती है, तो वही खिलाड़ी दूसरे कोर्ट से सर्विस करता है।
    - यदि सर्विस करने वाली टीम अंक हार जाती है, तो सर्विस विरोधी टीम को मिलती है।
    - युगल में, एक ही गेम में एक ही खिलाड़ी लगातार दो सर्विस रिसीव नहीं कर सकता।

4. कोर्ट का परिवर्तन (Changing Ends):

- खिलाड़ियों को निम्न स्थितियों में कोर्ट के छोर बदलने होते हैंः
    - पहले गेम के समाप्त होने के बाद।
    - यदि मैच तीसरे गेम तक जाता है, तो दूसरे गेम के समाप्त होने के बाद।
    - तीसरे गेम में, जब कोई एक खिलाड़ी/टीम 11 अंक तक पहुँच जाती है।

5. फाउल (Faults): यदि इनमें से कोई भी स्थिति होती है, तो यह एक फाउल है, और विरोधी को अंक मिलता हैः

- शटलकॉक का कोर्ट से बाहर जानाः यदि शटलकॉक कोर्ट की सीमा रेखाओं के बाहर गिरता है।
- नेट में शटलकॉक का फंसनाः यदि शटलकॉक नेट में फंस जाता है और उसे पार नहीं कर पाता है।
- नेट छूनाः यदि खिलाड़ी का रैकेट या शरीर नेट को छूता है जब शटलकॉक खेल में हो।
- विरोधी के कोर्ट में जानाः यदि खिलाड़ी विरोधी के कोर्ट में कदम रखता है।

- दो बार हिट करना (Double Hit): यदि एक ही खिलाड़ी शटलकॉक को लगातार दो बार हिट करता है।
- सर्विस फाउलः यदि सर्विस के नियम (जैसे कमर से ऊपर मारना, गलत सर्विस कोर्ट से मारना) का उल्लंघन होता है।
- शटलकॉक को रोकना/पकड़ना (Carrying/Slinging):यदि शटलकॉक को रैकेट से 'पकड़ा' या 'फेंका' जाता है, बजाय इसके कि उसे स्पष्ट रूप से हिट किया जाए।
- विरोधी को बाधित करना (Interference)रू यदि खिलाड़ी जानबूझकर विरोधी को खेलने से रोकता है।
- शटलकॉक को जानबूझकर क्षतिग्रस्त करनाः यदि खिलाड़ी शटलकॉक को जानबूझकर बदलता या क्षतिग्रस्त करता है।

6. लेट (Let):

- 'लेट' तब दिया जाता है जब खेल में कोई अनपेक्षित रुकावट आती है (जैसे शटलकॉक का खराब होना, बाहर से व्यवधान) और रैली को फिर से खेला जाता है, कोई अंक नहीं दिया जाता है।

बैडमिंटन कोर्ट की प्रमुख मार्किंग (Badminton Court Markings)

बैडमिंटन कोर्ट की मानक लंबाई 13.40 मीटर (44 फीट) और युगल (Doubles) के लिए चौड़ाई 6.10 मीटर (20 फीट) होती है। एकल (पदहसमे) के लिए चौड़ाई 5.18 मीटर (17 फीट) होती है। सभी लाइनें 4 सेंटीमीटर (1.57 इंच) चौड़ी होती हैं और कोर्ट के माप के अंदर ही मानी जाती हैं।

1. कोर्ट की बाहरी सीमा रेखाएँ (Boundary Lines of the Court)

- साइडलाइन (Sideline):
  - सिंगल्स साइडलाइन (Singles Sideline): ये कोर्ट की अंदरूनी लंबी रेखाएँ होती हैं। एकल (एक–एक खिलाड़ी) खेल के दौरान शटलकॉक इन रेखाओं के बाहर नहीं गिरना चाहिए।
  - डबल्स साइडलाइन (Doubles Sideline): ये कोर्ट की सबसे बाहरी लंबी रेखाएँ होती हैं। युगल (दो–दो खिलाड़ी) खेल के दौरान शटलकॉक इन रेखाओं के बाहर नहीं गिरना चाहिए।
- बैक बाउंड्री लाइन/एंड लाइन (Back Boundary Line / End Line): ये कोर्ट की सबसे पीछे की चौड़ी रेखाएँ होती हैं। शटलकॉक इन रेखाओं के बाहर नहीं गिरना चाहिए। ये लाइनें सिंगल्स और डबल्स दोनों के लिए समान होती हैं।

2. सर्विस से संबंधित रेखाएँ (Service & Related Lines)

- शॉर्ट सर्विस लाइन (Short Service Line): यह नेट के सबसे करीब की रेखा होती है, जो नेट से 1.98 मीटर (6 फीट 6 इंच) की दूरी पर होती है। सर्विस करते समय शटलकॉक को इस रेखा के पार गिरना चाहिए, अन्यथा यह फाउल माना जाता है।
- लॉन्ग सर्विस लाइन (Long Service Line):
  - डबल्स लॉन्ग सर्विस लाइन (Doubles Long Service Line): यह बैक बाउंड्री लाइन से 0.76 मीटर (2 फीट 6 इंच) अंदर की रेखा होती है। युगल खेल में सर्विस करते समय शटलकॉक इस रेखा और नेट के बीच ही गिरना चाहिए। यह रेखा डबल्स के लिए सर्विस की अंतिम सीमा होती है।
  - सिंगल्स लॉन्ग सर्विस लाइन (Singles Long Service Line): यह बैक बाउंड्री लाइन के समान ही होती है। एकल खेल में सर्विस करते समय शटलकॉक बैक बाउंड्री लाइन तक जा सकता है।
- सेंटर लाइन (Centre Line): यह नेट से बैक बाउंड्री लाइन तक (या लॉन्ग सर्विस लाइन तक) चलने वाली रेखा होती है, जो सर्विस कोर्ट को दो हिस्सों (दाएं और बाएं) में बांटती है। सर्विस करते समय सर्वर को इस रेखा के बाईं या दाईं ओर खड़े होना होता है, जो उसके स्कोर पर निर्भर करता है।

3. अन्य क्षेत्र और बिंदु (Other Areas and Points)

- सर्विस कोर्ट (Service Courts): सेंटर लाइन, शॉर्ट सर्विस लाइन, लॉन्ग सर्विस लाइन और साइडलाइन के बीच के चार आयताकार क्षेत्र होते हैं। सर्विस हमेशा इन सर्विस कोर्ट में से किसी एक में (तिरछे विपरीत) गिरनी चाहिए।
    - राइट सर्विस कोर्ट (Right Service Court): जब सर्वर का स्कोर 0 या कोई सम संख्या हो तो उसे इस कोर्ट से सर्विस करनी होती है।
    - लेफ्ट Service Court (Left Service Court): जब सर्वर का स्कोर कोई विषम संख्या हो तो उसे इस कोर्ट से सर्विस करनी होती है।
- बैक गैलरी (Back Alley / Back Zone): यह डबल्स लॉन्ग सर्विस लाइन और बैक बाउंड्री लाइन के बीच का क्षेत्र होता है। युगल खेल में सर्विस करते समय शटलकॉक इस क्षेत्र में नहीं गिरना चाहिए, लेकिन खेल के दौरान (सर्विस के बाद) इस क्षेत्र में गिरने पर वह 'इन' होता है।
- साइड गैलरी / साइड लॉबी (Side Alley / Side Lobby): यह सिंगल्स साइडलाइन और डबल्स साइडलाइन के बीच का क्षेत्र होता है। एकल खेल में शटलकॉक इस क्षेत्र में गिरने पर श्आउटश होता है, लेकिन युगल खेल में यह क्षेत्र 'इन' होता है।

4. नेट (Net):

- नेट कोर्ट के बीच में सेंटर लाइन पर स्थापित होता है।
- नेट की ऊँचाई पोल के पास 1.55 मीटर (5 फीट 1 इंच) और केंद्र में 1.524 मीटर (5 फीट) होती है।
- नेट के ऊपर से ही शटलकॉक को मारना होता है।

लाइनों का रंगः सभी मार्किंग आमतौर पर सफेद या पीले रंग की होती हैं ताकि वे स्पष्ट रूप से दिखाई दें।

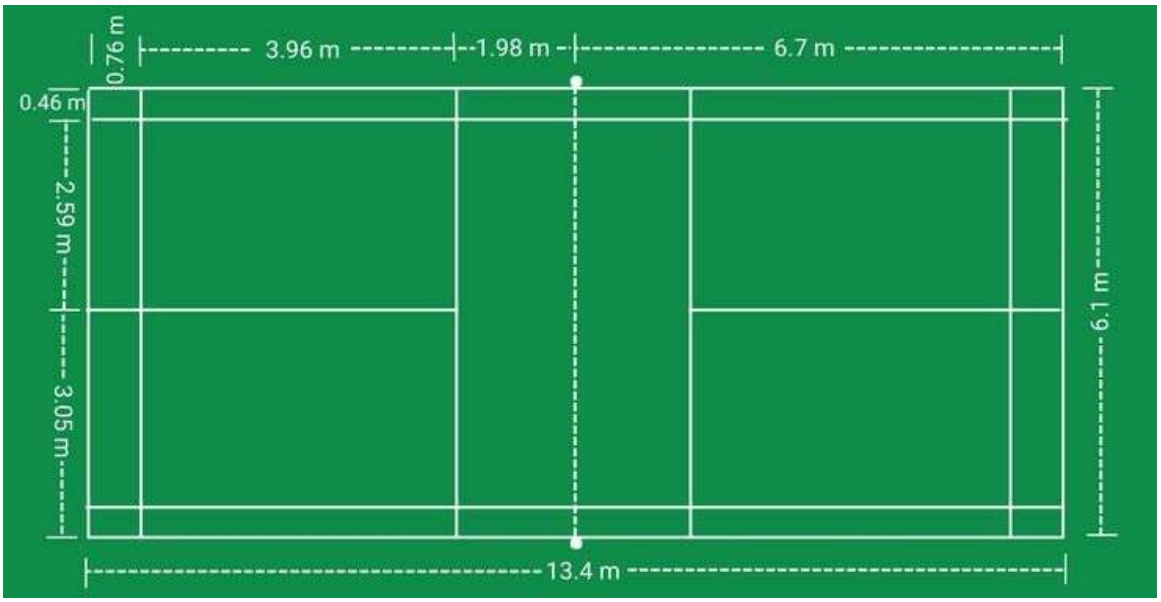

बैडमिंटन मैच स्कोर शीट

BADMINTON SCORE SHEET

Match No.....

Event.....

Court No.....

Date.....

Score

1	:
2	:
3	:

Umpire.....

Service Judge.....

Start.....Finish.....

Duration.....(Mins)

Umpire's Signature..... Referee's Signature ..... Results Service.....

बैडमिंटन खेल के मुख्य उपस्कर (Equipment for Badminton)

1. बैडमिंटन रैकेट (Badminton Racket):

- यह बैडमिंटन का सबसे महत्वपूर्ण उपकरण है, जिसका उपयोग शटलकॉक को हिट करने के लिए किया जाता है।
- वजनः बैडमिंटन रैकेट बहुत हल्के होते हैं, आमतौर पर तार सहित इनका वजन 75 से 94 ग्राम के बीच होता है (इसे "U" कोड में दर्शाया जाता है, जैसे 5U सबसे हल्का, 2U सबसे भारी)।
- सामग्रीः आधुनिक रैकेट अक्सर कार्बन फाइबर कंपोजिट, ग्रेफाइट, एल्यूमीनियम या स्टील जैसी हल्की और मजबूत सामग्री से बने होते हैं।
- भागः एक रैकेट में मुख्य रूप से फ्रेम (Frame), तार (String), हेड (Head), थ्रॉट (Throat), शाफ्ट (Shaft) और हैंडल (Handle) होते हैं।
- ग्रिप (Grip): हैंडल पर एक अतिरिक्त परत चढ़ाई जाती है जिसे ग्रिप कहते हैं। यह खिलाड़ी को रैकेट को आराम से और बिना फिसले पकड़ने में मदद करती है। ग्रिप पसीने को सोखने वाली और आरामदायक होनी चाहिए।

2. शटलकॉक (Shuttlecock) / चिड़ियाः

- यह बैडमिंटन की अनोखी 'गेंद' है। यह एक शंकु के आकार का प्रक्षेपक होता है।

- निर्माणः यह आमतौर पर पंखों (feather) (प्राकृतिक पंख, अक्सर हंस के पंख) और एक कॉर्क या रबर बेस से बना होता है। सिंथेटिक (प्लास्टिक) शटलकॉक का उपयोग भी किया जाता है, खासकर प्रशिक्षण और मनोरंजक खेल के लिए।
- outः एक शटलकॉक का वजन लगभग 4.75 से 5.50 ग्राम होता है। इसमें आमतौर पर 14 से 16 पंख लगे होते हैं।
- उड़ान विशेषताएँः शटलकॉक का अनूठा डिजाइन इसे एक विशिष्ट उड़ान पथ और उच्च वायुगतिकीय स्थिरता प्रदान करता है, जिससे यह रैकेट खेलों की अन्य गेंदों की तुलना में तेजी से धीमा होता है।

3. बैडमिंटन नेट (Badminton Net):

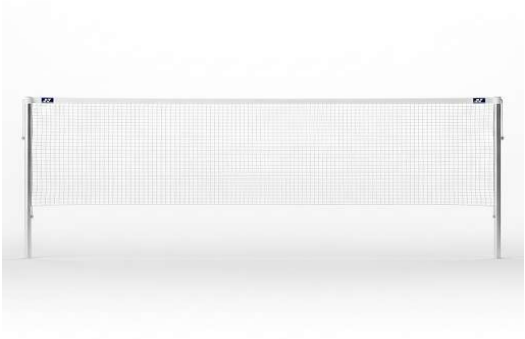

- यह कोर्ट के बीच में स्थापित किया जाता है, जो दोनों खिलाड़ियों या टीमों के क्षेत्रों को विभाजित करता है।
- ऊँचाई: नेट की ऊँचाई पोल के पास 1. 55 मीटर (5 फीट 1 इंच) और कोर्ट के केंद्र में 1.524 मीटर (5 फीट) होती है।
- सामग्री: यह आमतौर पर डोरी या सिंथेटिक सामग्री से बना होता है और इसकी जाली 3/4 इंच से 1 इंच की होती है।

4. बैडमिंटन कोर्ट (Badminton Court):

- यह एक आयताकार क्षेत्र होता है जिसे विशिष्ट सफेद या पीली रेखाओं से चिह्नित किया जाता है।
- आयाम: कोर्ट की मानक लंबाई 13.40 मीटर (44 फीट) होती है। युगल (Doubles) के लिए चौड़ाई 6. 10 मीटर (20 फीट) और एकल (Singles) के लिए चौड़ाई 5.18 मीटर (17 फीट) होती है।
- सतह: पेशेवर कोर्ट अक्सर लकड़ी के फर्श पर सिंथेटिक मैट के साथ बनाए जाते हैं, जो खिलाड़ियों को अच्छी पकड़ और बाउंस प्रदान करते हैं।

5. बैडमिंटन शूज / जूते (Badminton Shoes):

- बैडमिंटन के लिए विशेष रूप से डिजाइन किए गए जूते बहुत महत्वपूर्ण होते हैं।
- विशेषताएँ: ये हल्के होते हैं और इनमें उत्कृष्ट पकड़ (grip) होती है ताकि खिलाड़ी कोर्ट पर तेजी से दिशा बदल सकें और फिसलने से बच सकें। इनमें पर्याप्त कुशनिंग (cushioning) भी होती है जो कूदने और दौड़ने के दौरान झटके को अवशोषित करती है।

6. खेल पोशाक (Sportswear):

- खिलाड़ी आमतौर पर हल्के, सांस लेने वाले कपड़े पहनते हैं जो उन्हें स्वतंत्र रूप से हिलने–डुलने की अनुमति देते हैं और पसीने को प्रभावी ढंग से सोखते हैं।

बैडमिंटन खेल में उपयोग होने वाले शब्द

खेल की क्रियाओं और तकनीकों से संबंधित शब्द

- सर्विस (Service): खेल की शुरुआत करने के लिए शटलकॉक को नेट के ऊपर से विरोधी के कोर्ट में भेजना।
  - फॉरहैंड सर्विस (Forehand Service): रैकेट को शरीर के सामने से आगे की ओर घुमाते हुए की गई सर्विस।
  - बैकहैंड सर्विस (Backhand Service): रैकेट को शरीर के विपरीत (पीछे) से घुमाते हुए की गई सर्विस।
  - शॉर्ट सर्विस (Short Service): शटलकॉक को नेट के ठीक ऊपर और शॉर्ट सर्विस लाइन के पास गिराना।
  - लॉन्ग सर्विस (Long Service): शटलकॉक को कोर्ट के पिछले हिस्से (बैक बाउंड्री लाइन) तक पहुंचाना।
  - फ्लिक सर्विस (Flick Service): एक तेज बैकहैंड सर्विस जो विरोधी को चौंकाने के लिए की जाती है।
- रैली (Rally): जब तक शटलकॉक जमीन पर नहीं गिरता या कोई फाउल नहीं होता, तब तक खिलाड़ी शटलकॉक को हिट करते रहते हैं।
- हिट (Hit): रैकेट से शटलकॉक को मारना।
- ड्रॉप शॉट (Drop Shot): शटलकॉक को नेट के ठीक ऊपर विरोधी के कोर्ट में हल्के से गिराना ताकि वह नेट के पास गिरे और विरोधी उसे आसानी से न उठा पाए।
- क्लियर (Clear)' शटलकॉक को विरोधी के कोर्ट के पिछले हिस्से (बैक बाउंड्री लाइन) तक ऊँचाई पर मारना।
  - अटैकिंग क्लियर (Attacking Clear): तेज और सपाट क्लियर जो विरोधी को कोर्ट के पीछे धकेलता है।
  - डिफेंसिव क्लियर (Defensive Clear): ऊँचाई पर मारा गया क्लियर जो खिलाड़ी को अपनी स्थिति में वापस आने का समय देता है।
- स्मैश (Smash): शटलकॉक को ऊपर से नीचे की ओर तेजी से और शक्तिशाली ढंग से मारना, जिससे वह तेजी से नीचे गिरे। यह बैडमिंटन का सबसे शक्तिशाली शॉट होता है।
- ड्राइव (Drive): शटलकॉक को नेट के ऊपर से तेजी से और सपाट मारना, जिससे वह कोर्ट के मध्य में जाए।
- लिफ्ट (Lift): शटलकॉक को नीचे से ऊपर की ओर ऊँचाई पर मारना, अक्सर बचाव के लिए।
- नेट शॉट (Net Shot): नेट के पास से शटलकॉक को बहुत हल्के से मारना ताकि वह नेट के ठीक ऊपर से गिरे और विरोधी के लिए उठाना मुश्किल हो।

- फेंटी (Feint)/डिसेप्शन (Deception): विरोधी को धोखे में रखने के लिए शॉट मारते समय शरीर या रैकेट की दिशा बदलना।
- कवर (Cover): कोर्ट के उस हिस्से को कवर करना जहाँ विरोधी शटलकॉक मार सकता है।
- हाफ स्मैश (Half Smash): पूरी ताकत से नहीं मारा गया स्मैश, जिसमें सटीकता पर अधिक जोर होता है।
- क्रॉस–कोर्ट शॉट (Cross&Court Shot): शटलकॉक को कोर्ट के एक कोने से विपरीत कोने में मारना।
- स्ट्रेट शॉट (Straight Shot)/डाउन द लाइन (Down the Line): शटलकॉक को कोर्ट की साइडलाइन के समानांतर मारना।

<u>कोर्ट और नियम से संबंधित शब्द</u>

- कोर्ट (Court): खेल का मैदान, जिसे रेखाओं से चिह्नित किया जाता है।
- नेट (Net): कोर्ट के बीच में लगा जाल।
- साइडलाइन (Sideline): कोर्ट की लंबी सीमा रेखाएं (सिंगल्स और डबल्स के लिए अलग–अलग)।
- बैक बाउंड्री लाइन (Back Boundary Line): कोर्ट के पीछे की अंतिम सीमा रेखा।
- शॉर्ट सर्विस लाइन (Short Service Line): नेट के सबसे करीब वाली सर्विस रेखा।
- लॉन्ग सर्विस लाइन (Long Service Line): सर्विस करते समय शटलकॉक के गिरने की अंतिम सीमा रेखा (सिंगल्स और डबल्स के लिए अलग–अलग)।
- सेंटर लाइन (Centre Line): नेट से बैक बाउंड्री लाइन तक जाने वाली रेखा जो सर्विस कोर्ट को बांटती है।
- सर्विस कोर्ट (Service Court): वह क्षेत्र जहाँ सर्विस की गई शटलकॉक को गिरना चाहिए।
- इन (In): जब शटलकॉक कोर्ट की वैध सीमा रेखाओं के भीतर गिरता है।
- आउट (Out): जब शटलकॉक कोर्ट की वैध सीमा रेखाओं के बाहर गिरता है।
- फाउल (Fault): नियमों का उल्लंघन, जिसके परिणामस्वरूप विरोधी को अंक मिलता है।
- ड्यूस (Deuce): जब स्कोर 20–20 हो जाता है, तो गेम जीतने के लिए 2 अंकों की बढ़त की आवश्यकता होती है।
- सेट पॉइंट (Set Point)/गेम पॉइंट (Game Point): वह अंक जो किसी खिलाड़ी या टीम को गेम जीतने के लिए चाहिए होता है।
- मैच पॉइंट (Match Point)रू वह अंक जो किसी खिलाड़ी या टीम को मैच जीतने के लिए चाहिए होता है।

- लेट (Let): जब खेल में कोई अनपेक्षित रुकावट आती है और रैली को फिर से खेला जाता है।
- अंपायर (Umpire): मैच का मुख्य अधिकारी जो नियमों को लागू करता है।
- सर्विस जज (Service Judge): सर्विस से जुड़े नियमों की निगरानी करने वाला अधिकारी।
- लाइन जज (Line Judge): यह निर्धारित करने वाला अधिकारी कि शटलकॉक 'इन' है या 'आउट'।

<u>उपकरणों से संबंधित शब्द</u>

- रैकेट (Racket): शटलकॉक को हिट करने का उपकरण।
- शटलकॉक (Shuttlecock) / चिड़िया: बैडमिंटन की गेंद।
- ग्रिप (Grip): रैकेट के हैंडल पर लगी परत जो पकड़ को बेहतर बनाती है।
- स्ट्रिंग (String): रैकेट के हेड में बंधे तार।
- शूज (Shoes): बैडमिंटन के लिए विशेष जूते।

संघ

1. बिहार में (Bihar)

- बिहार बैडमिंटन एसोसिएशन (Bihar Badminton Association)
  - यह बिहार राज्य में बैडमिंटन खेल की सर्वोच्च शासी निकाय है।
  - यह राज्य में बैडमिंटन को बढ़ावा देने, टूर्नामेंट आयोजित करने और खिलाड़ियों को राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए तैयार करने का काम करती है।
  - यह बैडमिंटन एसोसिएशन ऑफ इंडिया (BAI) से संबद्ध है।
  - अध्यक्षः श्री अब्दुल बारी सिद्दीकी (Shri Abdul Bari Siddique)
  - मानद महासचिवः श्री के.एन. जायसवाल (Shri K- N- Jaiswal)
  - पताः फ्लैट नंबरः 405, ब्लॉक – ए, जग मनोश्री अपार्टमेंट, आरा गार्डन रोड, जगदेव पथ, पटना – 800 014, बिहार।
  - ई–मेल आईडी: jaiswal_krishnanand@yahoo.in, jaiswalkrishnanand99@gmail.com

2. राष्ट्रीय स्तर पर (National Level & India)

- बैडमिंटन एसोसिएशन ऑफ इंडिया (Badminton Association of India & BAI)
  - यह भारत में बैडमिंटन खेल के लिए राष्ट्रीय शासी निकाय है।
  - इसकी स्थापना 1934 में हुई थी और यह नई दिल्ली में मुख्यालय है।
  - BAI भारत में सभी राष्ट्रीय स्तर की बैडमिंटन प्रतियोगिताओं का आयोजन और विनियमन करता है, जिसमें इंडियन नेशनल बैडमिंटन चैम्पियनशिप और विभिन्न रैंकिंग टूर्नामेंट शामिल हैं।
  - यह अंतर्राष्ट्रीय शासी निकाय बैडमिंटन वर्ल्ड फेडरेशन (BWF) और क्षेत्रीय शासी निकाय बैडमिंटन एशिया (Badminton Asia) का पूर्ण सदस्य है।
  - अध्यक्षः डॉ. हिमंत बिस्वा सरमा (Dr- Himanta Biswa Sarma)
  - मानद महासचिवः श्री संजय मिश्रा (Shri Sanjay Mishra)
  - वेबसाइटः www.badmintonindia.org

3. अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर (International Level)

- बैडमिंटन वर्ल्ड फेडरेशन (Badminton World Federation & BWF)
  - यह बैडमिंटन के खेल के लिए विश्व शासी निकाय है। इसका मुख्यालय कुआलालंपुर, मलेशिया में है।

- BWF की स्थापना 1934 में इंटरनेशनल बैडमिंटन फेडरेशन (IBF) के रूप में हुई थी और 2006 में इसका नाम बदलकर बैडमिंटन वर्ल्ड फेडरेशन (BWF) कर दिया गया।
- यह बैडमिंटन वर्ल्ड चैम्पियनशिप, BWF वर्ल्ड टूर, थॉमस कप, उबर कप, सुदिरमन कप और ओलंपिक खेलों में बैडमिंटन प्रतियोगिता सहित विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं का आयोजन और विनियमन करता है।
- अध्यक्ष (2025 से): खुनयिंग पटामा लीस्वाद्तराकुल (Khunying Patama Leeswadtrakul)
- पूर्व अध्यक्ष (2013–2025): पॉल–एरिक होयर लार्सन (Poul&Erik Høyer Larsen)
- वेबसाइट: www-bwfbadminton.com

<u>बैडमिंटन एशिया (Badminton Asia & BA)</u>

- यह एशिया महाद्वीप के भीतर बैडमिंटन का क्षेत्रीय शासी निकाय है।
- यह एशियाई बैडमिंटन चैम्पियनशिप और अन्य क्षेत्रीय टूर्नामेंटों का आयोजन करता है। बैडमिंटन एशिया, वर्ल्ड बैडमिंटन फेडरेशन से संबद्ध है।
- अध्यक्षरू किम जोंग सू (Kim Jong Soo)
- वेबसाइटः www.badmintonasia-org
- बैडमिंटन एक ऐसा खेल है जिसमें सटीकता, गति और चपलता का अद्भुत मेल होता है। इस खेल को खेलने के लिए कुछ खास उपकरण (उपस्कर) और कई विशिष्ट शब्द व वाक्यांशों का उपयोग किया जाता है। इन शब्दों को समझना खेल की बारीकियों, नियमों और घटनाओं को जानने के लिए जरूरी है।

प्रतियोगिताएँ

बैडमिंटन दुनिया भर में सबसे लोकप्रिय रैकेट खेलों में से एक है, और इसमें कई प्रतिष्ठित राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय टूर्नामेंट और प्रतियोगिताएं आयोजित की जाती हैं।

राष्ट्रीय टूर्नामेंट/प्रतियोगिताएं (National Tournaments/Competitions & India)

भारत में बैडमिंटन को बैडमिंटन एसोसिएशन ऑफ इंडिया (Badminton Association of India & BAI) नियंत्रित करता है। यह देश भर में विभिन्न आयु समूहों और श्रेणियों में टूर्नामेंट आयोजित करता है:

1. इंडियन नेशनल बैडमिंटन चैम्पियनशिप (Indian National Badminton Championships):
   - यह भारत की सबसे प्रतिष्ठित राष्ट्रीय बैडमिंटन प्रतियोगिता है, जो 1934 से आयोजित की जा रही है।
   - यह भारत में सर्वश्रेष्ठ बैडमिंटन खिलाड़ियों को ताज पहनाता है।
   - इसमें पुरुष एकल, महिला एकल, पुरुष युगल, महिला युगल और मिश्रित युगल श्रेणियाँ शामिल हैं।

2. ऑल इंडिया रैंकिंग बैडमिंटन टूर्नामेंट (All India Ranking Badminton Tournaments)रू
   - BAI पूरे साल विभिन्न शहरों में कई रैंकिंग टूर्नामेंट आयोजित करता है।
   - ये टूर्नामेंट खिलाड़ियों को राष्ट्रीय रैंकिंग अंक अर्जित करने का अवसर प्रदान करते हैं, जो उन्हें राष्ट्रीय चैम्पियनशिप और अन्य प्रमुख आयोजनों में भाग लेने के लिए अर्हता प्राप्त करने में मदद करते हैं।
   - ये टूर्नामेंट विभिन्न आयु वर्गों में होते हैं:
     - सीनियर रैंकिंग टूर्नामेंट
     - जूनियर (U&19) रैंकिंग टूर्नामेंट
     - सब–जूनियर (U&13] U&15] U&17) रैंकिंग टूर्नामेंट
     - मास्टर्स (वेटरन) नेशनल चैम्पियनशिप

3. खेलो इंडिया गेम्स (Khelo India Games):
   - बैडमिंटन खेलो इंडिया यूथ गेम्स और खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स का भी एक अभिन्न अंग है, जो युवा प्रतिभाओं को एक मंच प्रदान करता है।

4. अंतर–संस्थागत बैडमिंटन चैम्पियनशिप (Inter&Institutional Badminton Championships):
   - विभिन्न सरकारी और कॉर्पोरेट संस्थाओं के बीच भी बैडमिंटन प्रतियोगिताएं आयोजित की जाती हैं।

अंतर्राष्ट्रीय टूर्नामेंट/प्रतियोगिताएं (International Tournaments/Competitions)

बैडमिंटन वर्ल्ड फेडरेशन (Badminton World Federation & BWF) बैडमिंटन के लिए अंतर्राष्ट्रीय शासी निकाय है, और यह कई प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय टूर्नामेंट आयोजित करता है:

1. ओलंपिक खेल (Olympic Games):
   - बैडमिंटन 1992 के बार्सिलोना ओलंपिक से एक पदक इवेंट रहा है।
   - यह बैडमिंटन खिलाड़ियों के लिए सबसे बड़ा और प्रतिष्ठित मल्टी–स्पोर्ट्स इवेंट है।
   - हर चार साल में आयोजित किया जाता है।
2. BWF वर्ल्ड चैम्पियनशिप (BWF World Championships):
   - यह ओलंपिक के बाद बैडमिंटन की सबसे प्रतिष्ठित व्यक्तिगत प्रतियोगिता मानी जाती है।
   - विजेता को 'विश्व चैम्पियन' का खिताब मिलता है।
   - यह 1977 में शुरू हुई और 2006 से सालाना आयोजित की जाती है (ओलंपिक वर्ष को छोड़कर)।

3. BWF वर्ल्ड टूर (BWF World Tour):
   - यह BWF द्वारा आयोजित टूर्नामेंटों की एक श्रृंखला है, जिसमें विभिन्न स्तर के इवेंट शामिल हैं, जो खिलाड़ियों को रैंकिंग अंक और पुरस्कार राशि प्रदान करते हैं।
   - वर्ल्ड टूर फाइनल (World Tour Finals): साल के अंत में आयोजित होने वाला टूर्नामेंट, जिसमें BWF वर्ल्ड टूर सर्किट में शीर्ष 8 खिलाड़ी/जोड़ी प्रतिस्पर्धा करते हैं।
   - सुपर 1000 इवेंट्स (Super 1000 Events): ये वर्ल्ड टूर के सबसे उच्च स्तर के टूर्नामेंट हैं, जिनमें सबसे अधिक रैंकिंग अंक और पुरस्कार राशि होती है (जैसे ऑल इंग्लैंड ओपन, इंडोनेशिया ओपन, चाइना ओपन, मलेशिया ओपन)।
   - सुपर 750, सुपर 500, सुपर 300, और सुपर 100 इवेंट्सः ये रैंकिंग और पुरस्कार राशि के मामले में सुपर 1000 से नीचे के स्तर के टूर्नामेंट होते हैं, जो दुनिया भर में आयोजित होते हैं।

4. थॉमस कप (Thomas Cup):
   - यह पुरुषों की राष्ट्रीय टीमों के लिए विश्व चैम्पियनशिप है।
   - 1949 में शुरू हुआ और अब हर दो साल में आयोजित किया जाता है।
   - भारत ने 2022 में ऐतिहासिक रूप से थॉमस कप जीता था, जो देश के लिए एक बहुत बड़ी उपलब्धि थी।

5. उबर कप (Uber Cup):
   - यह महिलाओं की राष्ट्रीय टीमों के लिए विश्व चैम्पियनशिप है।

- 1957 में शुरू हुआ और अब हर दो साल में थॉमस कप के साथ आयोजित किया जाता है।

6. सुदिरमन कप (Sudirman Cup):
   - यह मिश्रित टीमों (पुरुष एकल, महिला एकल, पुरुष युगल, महिला युगल, मिश्रित युगल) के लिए विश्व चैम्पियनशिप है।
   - 1989 में शुरू हुआ और हर दो साल में आयोजित किया जाता है।

7. बैडमिंटन एशिया चैम्पियनशिप (Badminton Asia Championships)रू
   - बैडमिंटन एशिया द्वारा आयोजित यह टूर्नामेंट एशिया के सर्वश्रेष्ठ बैडमिंटन खिलाड़ियों को ताज पहनाता है। यह 1962 में शुरू हुआ और 1991 से सालाना आयोजित किया जाता है।
8. कॉमनवेल्थ गेम्स (Commonwealth Games) और एशियन गेम्स (Asian Games):
   - बैडमिंटन इन मल्टी–स्पोर्ट्स इवेंट्स का भी एक प्रमुख हिस्सा है, जहाँ विभिन्न देशों के खिलाड़ी अपने देश का प्रतिनिधित्व करते हैं। यह 1966 में शुरू हुआ।

भारत और बिहार के खिलाड़ियों का प्रदर्शन

बैडमिंटन में भारत की अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रमुख उपलब्धियाँ

1. ओलंपिक पदक (Olympic Medals):

- साइना नेहवालः 2012 लंदन ओलंपिक में महिला एकल में कांस्य पदक जीता। वह बैडमिंटन में ओलंपिक पदक जीतने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी बनीं।

- पी.वी. सिंधुः 2016 रियो ओलंपिक में महिला एकल में रजत पदक जीता। वह ओलंपिक में रजत पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला बैडमिंटन खिलाड़ी बनीं।
  2020 टोक्यो ओलंपिक (जो 2021 में आयोजित हुए) में महिला एकल में कांस्य पदक जीता। इसके साथ, वह दो व्यक्तिगत ओलंपिक पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला बन गईं।

2. BWF विश्व चैम्पियनशिप पदक (BWF World Championships Medals):
   पी.वी. सिंधुः 2019 में महिला एकल में स्वर्ण पदक जीता। वह विश्व चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली भारतीय बनीं। उन्होंने 2017 और 2018 में रजत पदक भी जीते हैं, और 2013 और 2014 में कांस्य पदक जीते। उनके नाम कुल 5 विश्व चैम्पियनशिप पदक हैं, जो किसी भी भारतीय के लिए सबसे अधिक हैं।
   साइना नेहवालः 2015 में रजत पदक और 2017 में कांस्य पदक जीता।

   प्रकाश पादुकोणः 1983 में पुरुष एकल में कांस्य पदक जीता। वह विश्व चैम्पियनशिप में पदक जीतने वाले पहले भारतीय बने।
   किदांबी श्रीकांतः 2021 में पुरुष एकल में रजत पदक जीता। वह विश्व चैम्पियनशिप पुरुष एकल फाइनल में पहुंचने वाले पहले भारतीय पुरुष खिलाड़ी बने।
   लक्ष्य सेनः 2021 में पुरुष एकल में कांस्य पदक जीता।
   एच.एस. प्रणॉयः 2023 में पुरुष एकल में कांस्य पदक जीता।
   बी. साई प्रणीतः 2019 में पुरुष एकल में कांस्य पदक जीता।

3. थॉमस कप (Thomas Cup):
   - 2022 में ऐतिहासिक जीतः भारतीय पुरुष टीम ने 2022 में बैंकॉक में आयोजित थॉमस कप में स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रचा। यह भारत की पहली थॉमस कप जीत थी, जिसमें उन्होंने 14 बार के चौंपियन इंडोनेशिया को फाइनल में 3–0 से हराया। यह भारतीय बैडमिंटन के इतिहास की सबसे बड़ी टीम उपलब्धियों में से एक है।

4. उबर कप (Uber Cup):
   - भारतीय महिला टीम ने उबर कप में कई बार कांस्य पदक जीते हैं, विशेष रूप से 2014, 2016 और 2020 (जो 2021 में खेला गया) में।

5. एशिया टीम चैम्पियनशिप (Badminton Asia Team Championships):
   - 2024 में भारतीय महिला टीम ने स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रचा। यह पहली बार था जब भारतीय महिला टीम ने इस प्रतिष्ठित महाद्वीपीय टीम चैम्पियनशिप का खिताब जीता।

6. कॉमनवेल्थ गेम्स (Commonwealth Games):
   - भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ियों ने कॉमनवेल्थ गेम्स में कई स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक जीते हैं।
   - प्रकाश पादुकोण (1978 में स्वर्ण), साइना नेहवाल (2010 और 2018 में स्वर्ण), पी.वी. सिंधु (2022 में स्वर्ण), लक्ष्य सेन (2022 में स्वर्ण) कुछ प्रमुख व्यक्तिगत स्वर्ण पदक विजेता हैं।
   - मिश्रित टीम स्पर्धा में भी भारत ने 2018 और 2022 में स्वर्ण और रजत पदक जीते हैं।

7. एशियन गेम्स (Asian Games):
   - भारतीय खिलाड़ियों ने एशियन गेम्स में भी बैडमिंटन में कई पदक जीते हैं, जिनमें टीम स्पर्धाओं और व्यक्तिगत स्पर्धाओं दोनों में कांस्य पदक शामिल हैं।

8. अन्य प्रतिष्ठित टूर्नामेंट (Other Prestigious Tournaments):
   - ऑल इंग्लैंड ओपन (All England Open): प्रकाश पादुकोण (1980) और पुलेला गोपीचंद (2001) ने इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में पुरुष एकल का खिताब जीता है। लक्ष्य सेन (2022) और पी.वी. सिंधु (2022) भी इसके फाइनल तक पहुंचे हैं।

   - भारतीय खिलाड़ियों ने BWF वर्ल्ड टूर के विभिन्न स्तरों (सुपर 1000, 750, 500, 300) पर भी कई खिताब जीते हैं।

बैडमिंटन में बिहार के खिलाड़ियों की राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय उपलब्धियाँ

1. प्रमोद भगत (Pramod Bhagat) – पैरा–बैडमिंटन
प्रमोद भगत बिहार के हाजीपुर, वैशाली के रहने वाले हैं और भारत के सबसे प्रसिद्ध पैरा–बैडमिंटन खिलाड़ियों में से एक हैं। उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कई ऐतिहासिक उपलब्धियाँ हासिल की हैं:

- पैरालंपिक खेल (Paralympic Games):
  - 2020 टोक्यो पैरालंपिक (जो 2021 में आयोजित हुए): पुरुष एकल SL3 वर्ग में स्वर्ण पदक जीता। यह उनकी सबसे बड़ी उपलब्धि है और पैरालंपिक में बैडमिंटन में भारत का पहला स्वर्ण पदक था।
  - 2024 पेरिस पैरालंपिकरू उन्होंने पुरुषों के सिंगल्स SL3 वर्ग में कांस्य पदक जीता।
- BWF विश्व चैम्पियनशिप (BWF World Championships):
  - वह कई बार के विश्व चौंपियन रहे हैं। उन्होंने पुरुष एकल और युगल दोनों स्पर्धाओं में कई स्वर्ण पदक जीते हैं, जिनमें 2019 और 2024 (पुरुष एकल), 2022 (पुरुष युगल) प्रमुख हैं।
- एशियाई पैरा खेल (Asian Para Games):
  - उन्होंने एशियाई पैरा खेलों में भी कई पदक जीते हैं, जिसमें 2022 हांगझोऊ एशियाई पैरा गेम्स में पुरुष एकल में स्वर्ण पदक, पुरुष युगल में कांस्य पदक और मिश्रित युगल में कांस्य पदक शामिल है।
- अन्य अंतर्राष्ट्रीय टूर्नामेंट: उन्होंने विभिन्न BWF पैरा बैडमिंटन वर्ल्ड सर्किट और अंतर्राष्ट्रीय टूर्नामेंटों में कई खिताब और रनर–अप स्थान हासिल किए हैं।
  प्रमोद भगत को उनकी असाधारण उपलब्धियों के लिए भारत सरकार द्वारा अर्जुन पुरस्कार और खेल रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।

2. अंजना कुमारी (Anjana Kumari)

- अंजना कुमारी बिहार की पहली बैडमिंटन खिलाड़ी हैं जिन्होंने विश्व बैडमिंटन रैंकिंग में शीर्ष 200 में जगह बनाई। वह 199वें स्थान पर पहुँची थीं।
- उन्होंने राष्ट्रीय खेलों (National Games) 2015 में टीम इवेंट में कांस्य पदक जीतकर राष्ट्रीय स्तर पर अपनी श्रेष्ठता साबित की थी।
- राष्ट्रीय स्तर पर उनकी सर्वश्रेष्ठ सीनियर रैंक 27वीं रही है, और वह भारतीय महिला खिलाड़ियों की सूची में भी शीर्ष 20 में रही हैं।

3. चांदनी खातून (Chandani Khatoon)

- चांदनी खातून बिहार की एक और उभरती हुई बैडमिंटन खिलाड़ी हैं जिन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाई है।

- उन्होंने यूनिसेफ और किलकारी योजना के तहत आयोजित मैचों में अच्छा प्रदर्शन किया है और कई पुरस्कार जीते हैं, जिससे उन्हें और उनके परिवार को पहचान मिली है।

4. प्रिया सिंह, वंदना कुमारी, कविता कुमारी और निधि कुमारी (Ball Badminton)

- वैशाली जिले की ये चार खिलाड़ी बिहार की महिला बॉल बैडमिंटन टीम के लिए चयनित हुई हैं, जो 70वीं सीनियर राष्ट्रीय बॉल बैडमिंटन चैम्पियनशिप (महिला वर्ग) में भाग ले रही हैं। प्रिया सिंह को टीम का कप्तान बनाया गया है। यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि श्बॉल बैडमिंटनश पारंपरिक बैडमिंटन (शटलकॉक वाला) से अलग खेल है।

बैडमिंटन पर आधारित अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न (FAQ)

प्र0 1.	**बैडमिंटन क्या है?**
उत्तर	बैडमिंटन एक रैकेट खेल है जिसमें दो खिलाड़ी (एकल) या दो टीमें (युगल) एक नेट से विभाजित आयताकार कोर्ट पर प्रतिस्पर्धा करते हैं। खिलाड़ी शटलकॉक को अपने रैकेट से मारकर नेट के ऊपर से विरोधी के कोर्ट में गिराने का प्रयास करते हैं।
प्र0 2.	**बैडमिंटन में किन उपकरणों का उपयोग होता है?**
उत्तर	इसमें मुख्य रूप से रैकेट और शटलकॉक (चिड़िया) का उपयोग होता है। रैकेट हल्के होते हैं, जो कार्बन फाइबर से बने हो सकते हैं, जबकि शटलकॉक पंखों से बनी एक अनोखी 'गेंद' होती है जिसका निचला हिस्सा रबर या कॉर्क का होता है।
प्र0 3.	**बैडमिंटन का उद्देश्य क्या है?**
उत्तर	खेल का मुख्य उद्देश्य शटलकॉक को इस तरह से मारना है कि वह नेट के ऊपर से विरोधी के कोर्ट में गिरे और विरोधी खिलाड़ी उसे वापस न कर पाए।
प्र0 4.	**बैडमिंटन मैच में कितने गेम होते हैं?**
उत्तर	एक मैच में अधिकतम तीन गेम होते हैं। जो खिलाड़ी या जोड़ी पहले दो गेम जीत जाती है, वह मैच जीत जाती है।
प्र0 5.	**गेम जीतने के लिए कितने अंक चाहिए होते हैं?**
उत्तर	प्रत्येक गेम में, जो खिलाड़ी/जोड़ी पहले 21 अंक प्राप्त करता है, वह गेम जीत जाता है।
प्र0 6.	**20–20 के स्कोर पर क्या होता है?**
उत्तर	यदि स्कोर 20–20 हो जाता है, तो गेम जीतने के लिए किसी एक पक्ष को दो स्पष्ट अंकों से आगे निकलना होता है (जैसे 22–20)। यदि स्कोर 29–29 तक पहुंच जाता है, तो जो पहले 30वां अंक प्राप्त करेगा, वह गेम जीत जाएगा (इसे 'गोल्डन पॉइंट' भी कहते हैं)।
प्र0 7.	**सर्विस के क्या नियम हैं?**
उत्तर	सर्विस करते समय, सर्वर के रैकेट का सिर शटलकॉक को कमर की ऊंचाई से नीचे हिट करना चाहिए। सर्व की गई शटलकॉक नेट के ऊपर से विरोधी के सर्विस कोर्ट में गिरनी चाहिए।
प्र0 8.	**फाउल क्या होता है?**
उत्तर	फाउल तब होता है जब शटलकॉक कोर्ट की सीमा रेखाओं के बाहर गिरती है, खिलाड़ी का रैकेट या शरीर नेट को छूता है, या खिलाड़ी शटलकॉक को दो बार हिट करता है।

प्र0 9.	**बैडमिंटन कोर्ट की लंबाई और चौड़ाई क्या होती है?**
उत्तर	कोर्ट की मानक लंबाई 13.40 मीटर (44 फीट) होती है। युगल के लिए चौड़ाई 6.10 मीटर (20 फीट) और एकल के लिए 5.18 मीटर (17 फीट) होती है।
प्र0 10.	**बैडमिंटन नेट की ऊंचाई कितनी होती है?**
उत्तर	नेट की ऊंचाई पोल के पास 1.55 मीटर (5 फीट 1 इंच) और केंद्र में 1.524 मीटर (5 फीट) होती है।
प्र0 11.	**भारत में कुछ प्रमुख राष्ट्रीय बैडमिंटन प्रतियोगिताएं कौन सी हैं?**
उत्तर	इंडियन नेशनल बैडमिंटन चैम्पियनशिप, ऑल इंडिया रैंकिंग बैडमिंटन टूर्नामेंट, खेलो इंडिया गेम्स और अंतर–संस्थागत बैडमिंटन चैम्पियनशिप प्रमुख प्रतियोगिताएं हैं।
प्र0 12.	**कुछ प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय बैडमिंटन टूर्नामेंट बताएं?**
उत्तर	ओलंपिक खेल, BWF वर्ल्ड चैम्पियनशिप, BWF वर्ल्ड टूर, थॉमस कप (पुरुषों के लिए), उबर कप (महिलाओं के लिए) और सुदिरमन कप (मिश्रित टीमों के लिए) प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय टूर्नामेंट हैं
प्र0 13.	**ओलंपिक में बैडमिंटन पदक जीतने वाले पहले भारतीय कौन थे?**
उत्तर	साइना नेहवाल 2012 के लंदन ओलंपिक में महिला एकल में कांस्य पदक जीतकर बैडमिंटन में ओलंपिक पदक जीतने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी बनी थीं।
प्र0 14.	**भारत ने थॉमस कप कब जीता था?**
उत्तर	भारत ने 2022 में बैंकॉक में आयोजित थॉमस कप में स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रचा था। यह भारत की पहली थॉमस कप जीत थी।